विकास की ओर

भाग-2

(राष्ट्रीय कार्यक्रमों एवं जीवन मूल्यों पर आधारित)

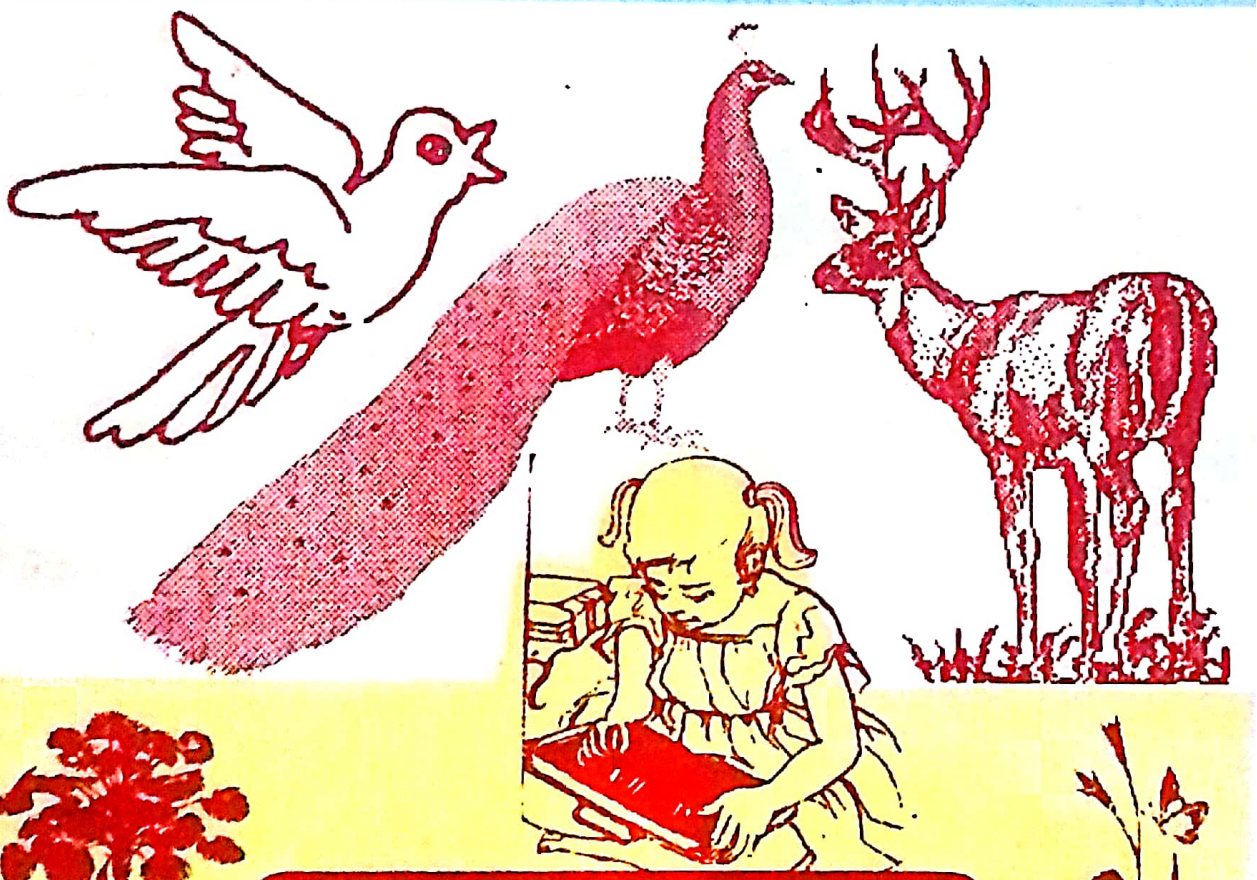

लेखक-

दामोदर अग्निहोत्री

स्नातक, आयुर्वेद रत्न

खैजराबाग, सागर

जनहित में नि:शुल्क वितरण

आप पढ़कर दूसरों को भी पढ़ने दें ।

इस पुस्तक के प्रकाशन हेतु प्राप्त आर्थिक सहयोग-

दान सूची

क्र.	दानदाता का नाम	दानराशि
1	**श्री शंकरलाल बजाज** नागवानी क्लाथ स्टोर्स नया बाजार, सागर	1001/-
2.	**श्री संजय समशेर जंग बहादुर राणा** होटल दीपक 4, सिविल लाइन, सागर	501/-
3.	**श्रीमती मीनाक्षी जैन** संचालिका, मनोहर पब्लिक स्कूल, सागर	501/-
4.	**श्री दादा शंकरलाल अग्रवाल** वरिष्ठ समाजसेवी न्यू अप्सरा ज्वेलर्स परकोटा, सागर	501/-
5.	**श्री जगतसिंह जी** आनंद STD PCO बम्होरी चौराहा, सागर	501/-

- दान राशि के अतिरिक्त प्रकाशन का शेष व्यय लेखक द्वारा वहन किया गया है ।

मुद्रक -

आर. के. ऑफसेट

भूतेश्वर मंदिर रोड, सागर

फोन : 506752

संख्या - 500 प्रतियां

Scanned with OKEN Scanner

क्रमांक	विवरण	पृष्ठ
1.	शिक्षा से विकास	1
2.	अनिवार्य शिक्षा	1
3.	पालक - शिक्षक और बालक	2
4.	दत्तक पुत्री योजना	2
5.	परिवर्तन	3
6.	प्यारी बिटिया	3
7.	शिक्षा प्रथम आवश्यकता	4
8.	बेटी पराया परिधान	5
9.	बेटी बचाओ	5
10.	प्लीज पापा (पिता को पत्र)	6
11.	अनुशासन से विकास	6
12.	हँसकर जी, लो	7
13.	सम्मानित महिला	7
14.	नारी तू महान तुझे प्रणाम	8
15.	दहेज अभिशाप हैं	9
16.	विधिक सेवा केन्द्र, महिला हित में	9
17.	लोक अदालत	10
18.	परिवार परामर्श केन्द्र	10
19.	न्याय प्राप्ति हमारा अधिकार है	11
20.	विद्यार्थियों को विधिक सहायता	11
21.	जल ही जीवन है	11
22.	अपनी हरियाली	12
23.	धन्य है	12
24.	प्रकृति और मानव	13
25.	प्रदूषण मुक्त बनाइये	13
26.	पर्यावरण संरक्षण	14
27.	जल बिन जिन्दगानी	15
28.	टीकाकरण	15
29.	शुद्ध पानी	16
30.	परिवार नियोजन	16
31.	दस्त रोग	17
32.	जानलेवा एड्स	18

Scanned with OKEN Scanner

अनमोल वचन

- अच्छे विचार, सच्चाई की राह दिखलाते है। – महात्मा बुद्ध
- जीनें का मतलब मौज करना नहीं, अपितु दूसरों की सेवा करना है। – महात्मा गांधी
- हम बडे काम करके बडे नहीं बनते, लेकिन प्यार से की गई एक छोटी सी मदद भी बडा रूप ले लेती है। – मदर टेरेसा
- बिना अनुभव केवल शाब्दिक ज्ञान अंधा है। – विवेकानंद
- अच्छा स्वास्थ्य और अच्छी समझ जीवन के दो सर्वोत्तम वरदान है। – प्रो. साइरस
- अपनी गलती मान लेना ही अनुशासन का लक्षण है। – अज्ञात
- जिसने जीवन में संघर्ष नहीं किया उसका जीवन व्यर्थ है। – अज्ञात
- खाया हुआ नहीं, बल्कि पचाया हुआ भोजन ही मनुष्य को ताकत देता है। – संत कृपालसिंह
- स्वस्थ रहने के लिए तीनों को ठीक रखना चाहिए – आहार, निद्रा और ब्रह्मचर्य। – महर्षि चरक
- चरित्रवान बनों, जगत तुम पर स्वयं मुग्ध हो जायेगा। – रामकृष्ण
- जब "मैं" हरि के प्यार में नाच उठता हूँ, तो मेरा "मैं" खो जाता है, और उसका "मैं" हो जाता हूँ। – चैतन्य महाप्रभु

Scanned with OKEN Scanner

आरोग्यता की निशानी

संपर्क सूत्र -

दामोदर अग्निहोत्री

ग्राम - खैजराबाग, पोस्ट - बम्हौरी बीका

तह. व जिला - सागर (म. प्र.)